गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u> दिनांक : 23.01.2012

कुरुक्षेत्र की महिला टीम ओवरआल चैम्पियन
मेजबान टीम बनी उपविजेता

बिलासपुर : गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के क्रीड़ांगन में चल रही अखिल भारतीय अन्तर–विश्वविद्यालयीन नेटबॉल (महिला) स्पर्धा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम ओवरआल चैम्पियन बनी जबकि मेजबान गुरु घासीदास विश्वविद्यालय को उपविजेता पदक से संतोष करना पड़ा। लीग मैचों के आधार पर हुई स्पर्धा पर तीसरे व चौथे स्थान पर क्रमशः पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ व गुरुनानक विश्वविद्यालय अमृतसर की टीमें रहीं।

इसके पहले लीग मैचों में चौथे दिन सोमवार को **तीसरा मैच** गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर व गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपरु के मध्य खेला गया जिसमें गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने 25/17 से विजयश्री हासिल की।

चौथा मैच कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ के बीच खेला गया जिसमें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम ने 30/15 से जीत दर्ज की।

पांचवां मैच गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर एवं पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ के मध्य खेला गया जिसमें पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ 24/23 से जीत हासिल की।

छठवां मैच कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के बीच खेला गया जिसमें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने 23/18 से ओवरआल चैम्पियन होने का गौरव प्राप्त किया जबकि गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की टीम उपविजेता बनीं।

इस अवसर पर आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी ने इस स्पर्धा में शामिल सभी 23 टीमों की महिला खिलाड़ियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि खेल में हार–जीत का कोई खास मायने नहीं होता। जीवन में अपनी सोच को हमेशा सकारात्मक रखें। खेल को खेल भावना से लेना चाहिए। खेल से हमें अनुशासन की सीख मिलती है। अच्छा खिलाड़ी के साथ अच्छा नागरिक बनने की कोशिश करनी चाहिए। धन्यवाद ज्ञापन आयोजन समिति के सचिव डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने किया एवं कार्यक्रम का संचालन डा. महेश सिंह धपोला ने किया।

क्या कहा विजेता व उपविजेता टीमों के कप्तानों ने

अखिल भारतीय अन्तर–विश्वविद्यालयीन नेटबॉल (महिला) स्पर्धा की विजेता टीम कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम की कैप्टन कुमारी संतोष ने कहा कि टीम के चैम्पियन होने से काफी खुशी हुई है। सभी खिलाड़ियों ने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। लीग मैचों में सभी रेफरियों ने सही विसिल बजाया। प्रतिद्वंद्वी गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की टीम ने भी अच्छा खेला।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की टीम की कैप्टन सृष्टि ओरांव ने कहा कि पहली बार राष्ट्रीय मैच में उपविजेता बनना भी गौरव की बात है। काफी खुशी है। मेरी टीम की खिलाड़ियों ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ियों की हाईट एवं तन्दुरुस्ती ने उन्हें चैम्पियन बनाया।

मीडिया प्रभारी

प्रति, सम्पादक,

————————बिलासपुर (छ.ग.)